Indian Woollen Mills and International Standards

1084. Shri D. D. Puri: Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether Government are associated with the work of the two specialists deputed by the International Wool Secretariat to help the Indian Woollen mills to reach international standards both in quality and price;

(b) whether it is considered feasible to achieve these objects with the cut imposed on the import of raw wool; and

(c) if not, what steps are proposed to be taken in this direction?

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi): (a) to (c). The International Wool Secretariat is reported to have deputed two specialists at the request of one of the Woollen Mills in Bombay to go into its problems of production and costing in the manufacture of woollen textiles for exports. Government were not associated with the work of the two specialists as it was mainly in regard to the problems of one particular Mill. Government have not also received any report in this regard.

रूसी ट्रैक्टरों की चोर बाजारी

1085. श्री सरजू पाण्डेय : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को ऐसी शिकायतें मिली हैं कि गाजियाबाद इंजीनियरिंग कम्पनी रूसी ट्रैक्टरों में चोर बाजारी कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इसे रोकने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है ?

वाणिज्य मन्त्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

गोरखपुर बाराबंकी बड़ी रेलवे लाइन

1086. श्री सरजू पाण्डेय : क्या रेलवे मंत्री 27 अगस्त, 1965 के अतारांकित प्रश्न संख्या 920 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गोरखपुर से बाराबंकी तक बड़ी रेलवे लाइन बिछाने की प्रस्तावित योजना इस समय किस प्रक्रम में है; और

(ख) उक्त योजना पर कब तक काम आरम्भ हो जायेगा ?

रेलवे मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री शाम नाथ) : (क) 27-8-1965 को अतारांकित प्रश्न संख्या 920 के उत्तर में उल्लिखित बाराबंकी–गोंडा–गोरखपुर मीटर लाइन खंड को बड़ी लाइन में बदलने की लागत और अर्थक्षमता का अनुमान लगाने के लिए अभी प्रारम्भिक अध्ययन किया जा रहा है । इस लाइन के बदलाव का काम शुरू किया जाये या नहीं इसके बारे में तभी निर्णय किया जायेगा जब उक्त अध्ययन का काम पूरा हो जायेगा और साथ ही रेलों के विकास के लिए कुल जितनी राशि उपलब्ध की गयी है उसे ध्यान में रखते हुए इन अध्ययनों के परिणाम पर रेलवे बोर्ड द्वारा विचार कर लिया जायेगा ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

चेकोस्लोवाकिया की सहायता से कृषि ट्रैक्टरों का निर्माण

1087. श्री सरजू पाण्डेय :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री भागवत झा आजाद :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री स० चं० सामन्त :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :

क्या उद्योग मंत्री 19 नवम्बर, 1965 के अतारांकित प्रश्न संख्या 950 के उत्तर के